मूल्य 1 रु.
वर्षः 10 - अंक : 18, मुंबई, शुक्रवार, 13 मार्च, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

कोरोना की दहशत से सहमा बॉलीवुड

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म सूर्यवंशी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 24 मार्च को रिलीज होने जा रही थी, लेकिन अब फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी गई है। फिल्म के लीड एक्टर अक्षय कुमार ने ट्वीट पर फिल्म की रिलीज डेट बढ़ाने का फैसला किया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अक्षय कुमार की सूर्यवंशी की रिलीज टली

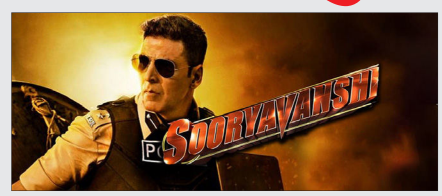

कोरोना का असर

शनिवार को समाप्त हो जाएगा महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र

...पहले 20 मार्च तक चलने वाला था

देश में कोरोना के 73 और महाराष्ट्र में 11 पॉजिटिव मामले सामने आ चुके हैं

संवाददाता

मुंबई। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए राज्य विधानसभा के जारी बजट सत्र को समय से पहले यानि 14 मार्च को ही खत्म कर दिया जाएगा। 24 फरवरी से शुरू हुआ सत्र 20 मार्च तक चलने वाला था। देश में कोरोना के 73 और महाराष्ट्र में 11 पॉजिटिव मामले सामने आ चुके हैं। हालांकि, गुरुवार को सीएम उद्धव ठाकरे की ओर से बताया गया कि की हालत स्थिर है। राज्य के संसदीय मामलों के मंत्री अनिल परब ने बजट सत्र समयपूर्व खत्म करने के कार्य मंत्रणा समिति के फैसले की घोषणा विधानसभा में की।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

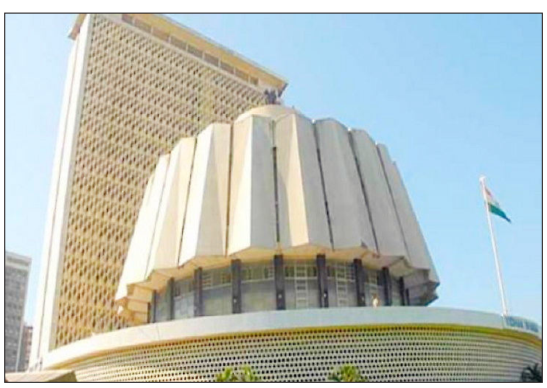

नकली टीका लगाने के आरोप में पुलिस ने जालना से तीन महिलाओं को पकड़ा है

दिल्ली में कोरोना वायरस महामारी घोषित

स्कूल-कॉलेज, सिनेमा हॉल, राष्ट्रपति भवन...सब बंद

दिल्ली सरकार ने कोरोना वायरस को महामारी घोषित कर दिया है। साथ ही दिल्ली के सभी सिनेमाघर 31 मार्च तक बंद करने का आदेश जारी कर दिया गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए दिल्ली के सिनेमाघरों को बंद करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा जिन स्कूलों और कॉलेजों के एग्जाम खत्म हो गए हैं, उनको भी 31 मार्च तक बंद कर दिया गया है। एहतियातन राष्ट्रपति भवन भी पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। भारत में कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते मामलों के चलते दिल्ली सरकार ने यह कदम उठाया है। अब तक देश में कोरोना वायरस के 73 मामले सामने आ चुके हैं।

भोपाल में गरजे ज्योतिरादित्य

...कहा- सिंधिया परिवार को ललकार कर कांग्रेस ने गलती की

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थामने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पहली बार भोपाल पहुंचे। भोपाल पहुंचकर उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शिवराज सिंह चौहन की भी तारीफ की है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि शिवराज कभी न थकने वाले सीएम रहे हैं। ज्योतिरादित्य सिंह ने कहा, मेरे लिए आज भावुक दिन है। जिस संगठन और जिस परिवार में मैंने 20 साल बिताए, मेरी मेहनत लगन, मेरे संकल्प जिनके लिए खर्च किया, उन सबको छोड़कर मैं अपने आपको आपके हवाले करता हूं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

संक्षिप्त खबर

भिवंडी में सेकंड हैंड मास्क मिलने का मामला गरमाया, फडणवीस ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

मुंबई। महाराष्ट्र के भिवंडी में खुले में मास्क मिलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। बुधवार को यह मामला विधानसभा में गूंजा। विपक्ष में बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने स्थगन प्रस्ताव के तहत मामला उठाते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष नाना पटोले ने भी मुद्दे को गंभीर बताते हुए सरकार को निर्देश दिया कि गुरुवार तक सरकार पूरी जानकारी सदन को दें।

गत शनिवार रात भिवंडी में एक लाख से ज्यादा मास्क खुले में मिले थे। आरोप है कि भारी मांग को देखते हुए विदेश से इस्तेमाल किए हुए मास्क लाए गए थे और इन्हें धोकर खुले बाजार में बेचने की साजिश थी, लेकिन इससे जुड़े विडियो लीक होने के बाद आरोपियों ने कार्रवाई से बचने के लिए मास्क खुले में फेंक दिए।

कोरोना से निपटने के लिए विपक्ष सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार है। बुधवार को विधान भवन में मीडिया से विधानसभा में विरोधी दल देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कोरोना से निपटने में विपक्ष राज्य सरकार की पूरी तरह से मदद करेगा। उन्होंने कहा कि वायरस को लेकर चिंतित नहीं होने की जरूरत है। बस, कोरोना के मद्देनजर सबको सतर्क रहना चाहिए, लेकिन इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत है कि तनाव उत्पन्न ना हो।

मछली उत्पादन में महाराष्ट्र का बुरा हाल, निर्यात पर असर

मुंबई। तालाब, नदी, बांध और समुद्र होने के बाद भी महाराष्ट्र मछली उत्पादन के मामले में तेजी से पिछड़ता जा रहा है। इससे महाराष्ट्र के मछली निर्यात पर बेहद बुरा असर पड़ा है। समुद्र और मीठे पानी में बढ़ता प्रदूषण भी मछलियों के उत्पादन को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। ऐसे में मछली व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों का भी बुरा हाल है।

महाराष्ट्र का समुद्री तट 720 किलोमीटर तक फैला हुआ है। इसमें करीब 1.12 लाख वर्ग किलोमीटर के दायरे में मछली पकड़ सकते हैं। 'आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट-2019-20' के अनुसार, साल 2017-18 में समुद्री मछली का उत्पादन 4.75 लाख मैट्रिक टन, सन 2018-19 में घटकर 4.67 लाख मैट्रिक टन और साल 2019-20 (सितंबर तक) तक महज 1.48 लाख मैट्रिक टन ही मछली समुद्र में पकड़ी जा सकीं। साल 2018-19 में समुद्र में मछली पकड़ने के लिए कार्यरत 17,238 नौकाओं में से 13,613 मशीन युक्त नौकाएं थीं।

समुद्र में बढ़ते प्रदूषण के कारण 32 प्रजातियों की मछलियां खत्म होने की कगार पर हैं। महाराष्ट्र राज्य मच्छीमार (मछुआरा) संघ के अध्यक्ष रामदास संघे का कहना है कि मछली उत्पादन पर पर्यावरण में बदलाव का प्रभाव पड़ा है। फिसिंग जोन में केमिकल और प्लास्टिक प्रदूषण के चलते मछलियों की ब्रीडिंग पर असर पड़ा है। समुद्र में भराव और मैंग्रोव्ज खत्म करने के चलते मछलियों की ब्रीडिंग के लिए स्थान खत्म हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट से भी खराब है। समुद्री मछली के उत्पादन में 50 फीसदी की कमी आई है। देशभर में सबसे ज्यादा बांध, तालाब और नदी महाराष्ट्र में हैं, जहां मछली पालने का काम किया जाता है। राज्य में 4.18 लाख हेक्टेयर क्षेत्र के मीठे पानी में मछली पाई जाती हैं। 'आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट-2019-20' के अनुसार, 2017-18 में मीठे पानी वाली मछली का उत्पादन 1.31 लाख मैट्रिक टन, वहीं 2018-19 में यह घटकर 1 लाख मैट्रिक टन पर आ गया। साल 2019-20 (सितंबर तक) तक 0.48 लाख मैट्रिक टन ही मछलियां पकड़ी गईं।

शिवसेना बोली- सिंधिया को नजरअंदाज करके मध्य प्रदेश में राजनीति नहीं की जा सकती

मुंबई। ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जाने के बाद महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी शिवसेना ने कमलनाथ सरकार पर निशाना साधा है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में कमलनाथ सरकार को नसीहत देते हुए लिखा है कि मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया को नजरअंदाज करके राजनीति नहीं की जा सकती है। वहीं यह भी कहा है कि महाराष्ट्र की सरकार मजबूत और अभेद्य है कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता है।

सामना में लिखा गया है, 'कमलनाथ की सरकार जो गिरती दिख रही है उसका कारण उनकी लापरवाही, अहंकार और नई पीढ़ी को कम आंकने की प्रवृत्ति है। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ मध्य प्रदेश के पुराने नेता हैं। उनकी आर्थिक शक्ति अधिक है इसलिए बहुमत के मुहाने पर रहते हुए यहां-वहां से विधायकों को इकट्ठा करके समर्थन प्राप्त किया था।'

इसमें आगे लिखा गया,'यह सच भले ही हो फिर भी मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया को नजरअंदाज कर राजनीति नहीं की जा सकती है। सिंधिया का प्रभाव पूरे राज्य पर भले ही न हो लेकिन ग्वालियर और गुना जैसे बड़े क्षेत्रों में सिंधियाशाही का प्रभाव है।' आगे कहा गया, 'विधानसभा चुनाव के पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया ही कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा थे लेकिन बाद में वरिष्ठों ने उन्हें एक ओर कर दिया और दिल्ली हाईकमान उन्हें देखता रह गया।'

सामना के संपादकीय में आगे लिखा गया, 'ज्योतिरादित्य सिंधिया बहुत कुछ नहीं मांग रहे थे। शुरूआत में उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पद मांगा था। उसके बाद उन्होंने राज्यसभा की उम्मीदवारी मांगी, ऐसी चर्चा है। इनमें से कोई एक मांग भी मान ली गई होती तो कांग्रेस पर ये नौबत नहीं आ पाती।' सामना में आगे कहा गया, 'जब पुराने लोग असफल होते हैं तब नए लोगों को मौका देकर उनके नेतृत्व पर भरोसा करने की आवश्यकता होती है। वैसा हुआ नहीं इसलिए राजस्थान में भी युवा और जुझारू सचिन पायलट और मुख्यमंत्री गहलोत में संघर्ष जारी है, वो नहीं मिटा तो राजस्थान भी मध्य प्रदेश का रास्ता चुन लेगा, ऐसा छाती ठोककर कहा जा रहा है।' कांग्रेस को सलाह देते हुए सामना में लिखा गया, 'ज्योतिरादित्य से पहले असम और हरियाणा हारे। असम के कुछ मजबूत नेता दिल्ली का चक्कर लगाकर थक गए और आखिर में बीजेपीवासी हो गए। कांग्रेस पुराने लोगों के जाल में अटका हुआ है। सोनिया गांधी पुराने नेताओं का प्रतिनिधित्व कर रही होंगी फिर भी प्रियंका गांधी और राहुल गांधी को चाहिए कि वे युवाओं की नब्ज पकड़े।'

मुंबई में सामने आए कोरोना के दो मामले, महाराष्ट्र में अब कुल 7 केसों की पुष्टि

मुंबई। महाराष्ट्र के शहर मुंबई में दो लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद राज्य में इसके कुल सात मामलों की पुष्टि हो गई है। मुंबई में ये पहले मामले हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि ये दोनों लोग दुबई से लौटे पुणे के उन दो लोगों के सम्पर्क में थे, जो कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं।

महाराष्ट्र के जन स्वास्थ्य विभाग के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम ने एक बयान में कहा कि दो दिन पहले पुणे में दुबई से लौटे दो लोगों के वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद वे किस-किस के संपर्क में आए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है। उसने कहा, 'बुधवार को इसके दो करीबी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। दोनों इनके सह यात्री थे और दुबई गए समूह का हिस्सा थे।'

उसने कहा, 'बुधवार तक मुंबई, पुणे और नागपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1,195 विमानों में यात्रा करने वाले 1,38,968 यात्रियों की जांच की जा चुकी है। केंद्र सरकार के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर सभी

देशों से आने वाले यात्रियों की जांच की जा रही है।'

उसने कहा कि इमिग्रेशन ब्यूरो नियमित रूप से ईरान, इटली और दक्षिण कोरिया जैसे उच्च जोखिम वाले देशों से आने वाले यात्रियों की सूची भी मुहैया करा रहा है। उसने कहा कि एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के पदाधिकारी इन देशों से 21 फरवरी के बाद आए सभी यात्रियों पर नजर रख रहे हैं।

कोरोना को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाईः डीसीपी

कल्याण। महाराष्ट्र के कल्याण में कोरोना वायरस रोगी की पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिससे लोग डर गए। दुबई से आने वाली उस महिला में कोरोना के लक्षण नहीं पाए गए हैं लेकिन इसके बावजूद इस तरह की अफ्वाह फैला दी गई और सोशल मीडिया पर इससे जुड़ी पोस्ट शेयर की जाने लगीं। यह जानकारी कल्याण-डोंबिवली मनपा के स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी है।

कल्याण-डोंबिवली के डीसीपी विवेक पानसरे का कहना है कि कोरोना को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जो गलत पोस्ट कर रहे हैं।

ठाणे मनपा का 3780 करोड़ का बजट पेश, महंगा होगा पानी

ठाणे। ठाणे मनपा का वर्ष 2020-21 का बजट बुधवार को पेश हुआ। प्रभारी आयुक्त राजेंद्र अहिवर ने स्मार्ट सिटी का 3780 करोड़ रुपये का बजट स्थायी समिति के सभापति राम रेपाले के समक्ष पेश किया। यह बजट पिछले साल की तुलना में 81 करोड़ रुपये कम है। आर्थिक मंदी का असर मनपा बजट पर दिख रहा है। बजट में पहले से अपेक्षित पानी की दरों में वृद्धि पर मुहर लग गई है। इस बजट से ठाणेकरों को निराशा हाथ लगी है। पानी के अलावा अन्य चीजों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। संपत्ति कर में कोई वृद्धि नहीं की गई है, वहीं राजस्व खर्च को नियंत्रित करने की बात बजट में कही गई है और उसके लिए विभिन्न उपाय योजना को लागू किया जाएगा। मनपा खजाने की स्थिति को देखते हुए खर्च में कटौती करने पर जोर दिया गया है। हज हाउस, एलआरटी, क्लस्टर योजना के लिए ट्रांजिट कैंप का निर्माण करने और शहर को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने जैसी योजनाओं का समावेश किया गया है।

ठाणे मनपा में पिछले 5 सालों में पानी की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं की गई थी। पानी आपूर्ति को लेकर हो रहे घाटे को भरने के लिए आखिरकार इस बार मनपा प्रशासन ने कीमतों में बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। पानी के नए कनेक्शन और अन्य शुल्कों में भी बढ़ोतरी की गई है। शुल्क एवं पानी की कीमतों में की गई बढ़ोतरी से वर्ष 2020-21 में पानी से कुल आय 250 करोड़ अपेक्षित है, जबकि कुल खर्च करीब 389 करोड़ रुपये है। बढ़ोतरी के बावजूद पानी आपूर्ति को लेकर मनपा प्रशासन को करीब 139 करोड़ रुपये का वार्षिक घाटा सहना पड़ेगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

एमपी के बाद महाराष्ट्र? संजय राउत बोले- 'मध्य प्रदेश वायरस' यहां नहीं घुस सकता

मुंबई। मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे के बाद कमलनाथ सरकार पर संकट मंडरा रहा है। मध्य प्रदेश के बाद महाराष्ट्र के बारे में भी चर्चा शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में भी उठापटक हो सकती है। इसपर शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार पूरी तरह सुरक्षित है और 'मध्य प्रदेश वायरस' यहां घुस भी नहीं सकता है।

शिवसेना नेता संजय राउत ने बुधवार को भरोसा जताया कि शिवसेना के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार सुरक्षित है। शिवसेना महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार चला रही है। वहीं, पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में कमलनाथ सरकार गिरने के कगार पर है क्योंकि राज्य में कांग्रेस के 22 विधायकों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पार्टी छोड़ने के बाद मंगलवार को इस्तीफा दे दिया।

मध्य प्रदेश में राजनीतिक घटनाक्रम के बीच राउत ने कहा कि महाराष्ट्र विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार के लिए चिंता की कोई बात नहीं है। शिवसेना नेता ने मराठी में ट्वीट किया, 'मध्य प्रदेश वायरस महाराष्ट्र में नहीं घुसेगा। महाराष्ट्र की सत्ता अलग है। 100 दिन पहले एक अभियान विफल हो गया था। महा विकास अघाड़ी ने बाईपास सर्जरी की और महाराष्ट्र को बचाया।

महाराष्ट्र में एकदम विपरीत विचारधारा वाली पार्टियां साथ आई हैं। हिंदुत्व की विचारधारा वाली शिवसेना और सेक्युलर विचारधारा वाली कांग्रेस ने एनसीपी के सहयोग से सरकार बनाई है। कई मुद्दों पर सरकार के भीतर भी विरोधाभास सामने आता रहा है इसलिए ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि यह सरकार ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाली है।

मुंबई लोकल के लिए चुनौती है कोरोना, सीएम उद्धव ठाकरे ने की अधिकारियों के साथ बैठक

मुंबई। दुनिया की सबसे भीड़ वाली परिवहन व्यवस्था मुंबई में है। मुंबई लोकल में यहां रोजाना लगभग 80 लाख यात्री सफर करते हैं। ऐसे में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकना चुनौतीपूर्ण होगा। मुंबई में कोरोना के दो पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मध्य और पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधकों के साथ बैठक की। बैठक में जागरूकता अभियान और रेलवे की तैयारियों पर चर्चा की गई।

मध्य और पश्चिम रेलवे की ओर से लगातार स्टेशनों पर जागरूकता फैलाने के लिए घोषणाएं की जा रही हैं। यात्रियों को कोरोना वायरस से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए ट्रेनों और स्टेशनों पर पोस्टर लगाए जा रहे हैं। रेलवे की ओर से यात्रियों को सावधानी बरतने की हिदायत दी

जा रही है। मध्य और पश्चिम रेलवे के अस्पतालों में आइसोलेटेड वॉर्ड बनाए गए हैं। यहां के डॉक्टर्स को राज्य सरकार के अस्पतालों से तालमेल बनाने का सुझाव दिया गया है।

सरकार की ओर से स्टेशनों की सीढ़ियों, एस्केलेटर्स, लिफ्ट्स, टिकट खिड़कियों के आस-पास सेनिटाइजेशन प्रक्रिया बढ़ाने के निर्देश मिले हैं। रेलवे बोर्ड ने सभी जोन में बायोमैट्रिक सिस्टम बंद करने का निर्देश दिया है। वर्कशॉप और यार्ड या अन्य दफ्तरों में जहां बायोमैट्रिक पद्धति से अटेंडेंस लगाई जाती थी, वहां अब रजिस्टर में साइन करने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले कर्मचारी यूनियनों ने आला अधिकारियों को पत्र लिखकर बायोमैट्रिक सिस्टम बंद करने का सुझाव दिया था।

रेलवे अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि कुल क्षमता के 10 प्रतिशत बेड संक्रमित रोगियों के लिए रिजर्व रखे जाएं। पश्चिम रेलवे ने सभी डिविजन में कुल 75 बेड और मुंबई के जगजीवन राम अस्पताल में 30 बेड संक्रमण के संदेहजनक व्यक्तियों के लिए आरक्षित रखे हैं।

कोरोना वायरसः मुंबई के जिन मामलों की पुष्टि, दोबारा होगी जांच

मुंबई। मुंबई के जिस कपल में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है, उनकी दोबारा जांच की जाएगी। इसके लिए इनका सैंपल पुणे स्थित नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे जाएंगे। यह जानकारी बीएमसी की ओर से दी गई। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि जिन दो लोगों में बीमारी की पुष्टि हुई है, उनमें से एक में कोरोना वायरस के लक्षण दिखे हैं, जबकि दूसरे की रिपोर्ट केवल पॉजिटिव आई है और उसमें किसी भी तरह के लक्षण नहीं दिखे हैं। अधिकारी ने बताया कि सभी की स्थिति सामान्य थी। राज्य में पुष्ट मामलों की संख्या को देखते हुए स्क्रीनिंग और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग बढ़ा दी गई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार तक मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर 1.38 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इनमें से 349 लोगों को सर्दी-जुकाम और बुखार के लक्षण दिखने के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया। इनमें से 312 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव थी, जबकि बाकियों की रिपोर्ट आनी है।

शरद पवार ने भरा राज्यसभा का नामांकन, बीजेपी के 2 उम्मीदवार घोषित

मुंबई। महाराष्ट्र विधानभवन में बुधवार को एनसीपी चीफ शरद पवार ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन भर दिया है। वहीं, मध्यप्रदेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बीजेपी ने राज्यसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। महाराष्ट्र से बीजेपी ने उदयनराजे भोसले और सहयोगी दल आरपीआई (अ) के अध्यक्ष केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले को राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है।

महाराष्ट्र से राज्यसभा की सात सीटें खाली हो रही हैं, जिनकी चुनाव प्रक्रिया जारी है। नामांकन की आखिरी तारीख 13 मार्च है, जबकि नामांकन की जांच 16 मार्च को की जाएगी। 18 मार्च तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इस चुनाव में विधानसभा में चुने हुए प्रतिनिधि ही वोट करेंगे।

महाराष्ट्र में एक विधानसभा के चुने हुए विधायक के वोट का मूल्य 100 वोट है। महाराष्ट्र में कुल 288 विधायक हैं। इस लिहाज से 28,800 वोट होते हैं। राज्यसभा चुनाव में जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 3,601 वोट की जरूरत होगी। दलीय स्थित के अनुसार, बीजेपी तीन, कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना के एक-एक सदस्य राज्यसभा आसानी से पहुंच जाएंगे। एक सीट एनसीपी अपने सहयोगी कांग्रेस और शिवसेना के दम पर राज्यसभा भेज सकती है। माना जा रहा है कि एनसीपी प्रमुख पवार ने शिवसेना को मना लिया है, लेकिन कांग्रेस से बात नहीं बनी है।

बीजेपी ने तीन में से दो उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। एनसीपी से आए छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोसले और आरपीआई नेता व केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले के नाम की घोषणा कर दी है। तीसरी सीट के लिए उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस की ओर से राजीव सातव का नाम सामने आया है। वहीं, शिवसेना ने भी पत्ते नहीं खोले हैं। एनसीपी की तरफ से दूसरी सीट के लिए फौजिया खान का नाम सामने आया है, हालांकि उन्होंने नामांकन नहीं भरा। एनसीपी प्रफुल्ल पटेल भी उम्मीदवार बनाए जा सकते हैं। एनसीपी को दूसरी सीट के लिए कांग्रेस और शिवसेना से जोड़तोड़ करना पड़ेगा। ऐसे में अगर बीजेपी ने चौथा उम्मीदवार मैदान में उतार दिया, तो मुकाबला दिलचस्प हो जाएगा।

मुंबईः डॉन की मां को क्राइम ब्रांच ने किया अरेस्ट, शूटरों को देती थी रुपये

मुंबई। क्राइम ब्रांच ने डॉन प्रसाद पुजारी की मां इंदिरा पुजारी को बुधवार को गिरफ्तार किया है। डीसीपी अकबर पठान ने बताया कि इंदिरा गैंग की तरफ से शूटरों तक रकम भिजवाने की व्यवस्था करती थी। इस केस में प्रसाद पुजारी के मौसेरे भाई सुरेश कुमार सुवर्णा को भी क्राइम ब्रांच ने कर्नाटक से अरेस्ट किया था। सुवर्णा ने सुनील आगाणे नामक एक कॉन्ट्रेक्टर के अकाउंट में 25 हजार रुपये रकम ट्रांसफर की थी। सुवर्णा को यह रकम इंदिरा ने ही दी थी।

सीनियर इंस्पेक्टर सतीश तावरे ने बताया, 'हमारी छानबीन में यह बात भी सामने आई है कि इंदिरा पुजारी ने एक शूटर के अकाउंट में दो लाख रुपये और दूसरे के अकाउंट में 50 हजार रुपये भी दो अन्य मौकों पर ट्रांसफर किए। इसीलिए हमने अन्य आरोपियों के साथ उस पर भी मकोका लगाया।' डीसीपी पठान ने बताया कि कुछ महीने पहले विक्रोली में शिवसेना उप विभाग प्रमुख चंद्रशेखर जाधव पर जिस सागर मिश्रा ने गोली चलाई थी, उसे भी इंदिरा ने रकम दी थी। उसी विक्रोली शूटआउट के बाद प्रसाद पुजारी ने विक्रोली के एक

बिल्डर को फोन किया था और धमकाते हुए कहा था कि 'तुम्हें याद है ना विक्रोली में मैंने एक चॉकलेट (शूटआउट) दिया था। मैं उस शूटआउट के बाद सबसे एक करोड़ रुपये लेता हूं। चूंकि तुम हमारे इलाके के हो, इसलिए तुम मुझे सिर्फ दस लाख रुपये ही देना।'

जब बिल्डर ने प्रसाद को उसकी धमकियों पर कोई भाव नहीं दिया था, तो प्रसाद पुजारी ने सुनील आगाणे नामक कॉन्ट्रैक्टर को बिल्डर के दफ्तर जाकर उससे बात करने को कहा था। बदले में इंदिरा पुजारी द्वारा दी गई रकम को सुरेश कुमार सुवर्णा ने सुनील आगाणे के अकाउंट में ट्रांसफर किया था। सुवर्णा पहले नवी मुंबई और सिलवासा में सुपरवाइजर था। बाद में वह गैंग में शामिल हो गया। जांच अधिकारियों को शक है कि प्रसाद पुजारी को मिली हफ्ते की रकम पहले उसकी मां के पास मीरा-भाईंदर में पहुंचाई जाती थी और फिर वहां से हवाला से उस तक रकम पहुंचती थी।

प्रियंका चतुर्वेदी को मिला राज्यसभा का टिकट

विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़ शिवसेना में हुईं थी शामिल

मुंबई। विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर शिवसेना में शामिल हुईं प्रियंका चतुर्वेदी को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया गया है। प्रियंका पार्टी में प्रवक्ता और उपनेता के पद पर काम कर रही थीं। इसके अलावा उन्होंने चुनावों में आदित्य ठाकरे के चुनाव क्षेत्र में प्रचार कार्य का जिम्मा संभाला था। हालांकि, यह माना जा रहा था कि शिवसेना औरंगाबाद के पूर्व सांसद चंद्रकांत खैरे को राज्यसभा भेज सकती है। प्रियंका के नाम का फैसला पार्टी के कई नेताओं के लिए हैरान करने वाला माना जा रहा है। प्रियंका 19 अप्रैल को कांग्रेस छोड़ शिवसेना में शामिल हो गई थीं। कांग्रेस से नाराज प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी ने उस समय पार्टी के अध्यक्ष रहे राहुल गांधी को लिखे पत्र में कहा था कि कुछ ऐसी बातें हुई हैं जिनसे पता चलता है कि पार्टी में उनके योगदान को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने पार्टी पर आरोप लगाया था कि उनसे बदतमीजी करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे पत्र

में उन्होंने लिखा था कि पार्टी की विचारधारा और राहुल गांधी के सबको साथ लेकर चलने कि विचार ने उन्हें प्रभावित किया था और इसलिए 10 साल पहले वह पार्टी में शामिल हुईं। राज्यसभा के लिए कांग्रेस ने राजीव सातव को अपना उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे, रजनी पाटिल और मुकुल वासनिक के नाम की चर्चा जोरों पर थी। राजीव सातव ने 2019 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा था। वह वर्तमान में गुजरात के प्रभारी हैं। 2009 में वह कलमनुरी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक और 2014 से हिंगोली निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे। सातव राहुल और प्रियंका गांधी, दोनों के बेहद करीब माने जाते हैं। महाराष्ट्र विधानभवन में बुधवार को एनसीपी चीफ शरद पवार ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन भर दिया है। महाराष्ट्र से बीजेपी ने उदयनराजे भोसले और सहयोगी दल आरपीआई (अ) के अध्यक्ष केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले को राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है।

महाराष्ट्र से 7 लोग जाएंगे राज्यसभा में: 2 अप्रैल को महाराष्ट्र से राज्यसभा की सात सीटें खाली हो रही हैं, जिनकी चुनाव प्रक्रिया जारी है। नामांकन की आखिरी तारीख 13 मार्च है, जबकि नामांकन की जांच 16 मार्च को की जाएगी। 18 मार्च तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इस चुनाव में विधानसभा में चुने हुए प्रतिनिधि ही वोट करेंगे।

जीतने के लिए चाहिए 3,601 वोट: महाराष्ट्र में एक विधानसभा के चुने हुए विधायक के वोट का मूल्य 100 वोट है। महाराष्ट्र में कुल 288 विधायक हैं। इस लिहाज से 28,800 वोट होते हैं। राज्यसभा चुनाव में जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 3,601 वोट की जरूरत होगी। दलीय स्थित के अनुसार, बीजेपी तीन, कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना के एक-एक सदस्य राज्यसभा आसानी से पहुंच जाएंगे। एक सीट एनसीपी अपने सहयोगी कांग्रेस और शिवसेना के दम पर राज्यसभा भेज सकती है। माना जा रहा है कि एनसीपी प्रमुख पवार ने शिवसेना को मना लिया है, लेकिन कांग्रेस से बात नहीं बनी है।

राकांपा ने सभी सार्वजनिक रैली रद्द की, राज ठाकरे बोले-जनता को डरा रही है सरकार

संवाददाता

मुंबई। कोरोनावायरस भारत में भी तेजी से पैर पसार रहा है। इस बीच अब राजनीतिक दलों पर भी इसका असर नजर आ रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को ऐलान किया कि कोरोना के चलते पार्टी अब कोई भी सार्वजिनक रैली नहीं करेगी। पार्टी के प्रवक्ता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने कहा- हमने तय किया है कि हम कोई सार्वजनिक रैली या सभा नहीं करेंगे। हमें सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने कहा- कोरोनावायरस को लेकर महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार जनता को डरा रही है और लोगों पर प्रतिबंध लगा रही है, जिससे उनमें घबराहट बढ़ रही है। सरकार को पहले इस संक्रमण से होने वाली मृत्यु दर का पता लगाना चाहिए। प्रतिबंध लगाने से लोगों में खौफ पैदा हो रहा है। हमारे देश में कोरोना वायरस के इतर अन्य कारणों से मृत्युदर काफी अधिक है। इसमें कोई शक नहीं कि हमें सावधानी बरतनी चाहिए। आने वाले महीने में औरंगाबाद में निकाय चुनाव होने वाले हैं क्या सरकारी एजेंसियां कोरोना वायरस के कारण इसे भी टाल देंगी? महाराष्ट्र में कोरोना के 11 मामले सामने आ चुके हैं। मुंबई में दो नए मामले आने के बाद देश में कोरोना से संक्रमित मरीजों की सख्या 73 हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लोगों से भीड़भाड़ वाली जगहों, धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों से बचने की अपील की हैं। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना के चलते हेल्पलाइन नबंर जारी कर दिया हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

कोरोना का असर

इस बाबत सदन में एक प्रस्ताव रखा गया था जिसे सदस्यों ने मंजूरी दी। परब ने कहा कि छह मार्च को पेश किया गया राज्य का बजट और विनियोग विधेयक शनिवार को पारित किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा, लोगों की सेहत अधिक आवश्यक है और विधायकों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में जाना चाहिए। महाराष्ट्र के जालना जिले में ग्रामीणों को कोरोना वायरस का नकली टीका लगाने के आरोप में तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि बीड की रहने वाली राधा रामनाथ सामसे, सीमा कृष्णा अंढाले और संगीता राजेन्द्र अवहाड को बधुवार को गिरफ्तार किया गया। वे खुद को डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी बताती थीं। पुलिस के मुताबिक, तीनों अम्बद तहसील के पिपलगांव के लोगों से मिली और उन्हें कोरोना वायरस से बचाने वाला नकली टीका लगाया। अधिकारी ने बताया कि कुछ गांववालों ने ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर महादेव मुंडे को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद शिकायत दर्ज की गई। बताया गया है कि आरोपियों के पास बरामद किए गए नकली टीके और बोतलें राज्य स्वास्थ्य विभाग के पास भेज दी गई हैं। तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है।

कोरोना की दहशत से सहमा बॉलीवुड

अक्षय कुमार ने ट्वीट किया, हमने सालभर की मेहनत के बाद सूर्यवंशी आप लोगों के लिए बनाई थी। ट्रेलर को जिस प्रकार दर्शकों का प्यार मिला है, इससे साफ है फिल्म दर्शकों को प्रभावित करेगी। हम फिल्म को आपके सामने पेश करने के लिए काफी उत्सुक भी हैं। कोरोना वायरस को देखते हुए हमने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। हमारे दर्शकों की सेहत प्राथमिकता है। सही समय पर सूर्यवंशी रिलीज की जाएगी। अक्षय कुमार और कटरीना कैफ स्टारर फिल्म सूर्यवंशी को इस सीजन की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से माना जा रहा था। अक्षय, कटरीना और रोहित शेट्टी ने जोर-शोर से इस फिल्म के प्रमोशन्स भी शुरू कर दिए हैं। इससे पहले फिल्म को प्रेजेंट करने वाले रिलायंस एंटरटेन्मेन्ट के ग्रुप सीईओ शिबाशीष सरकार ने भी कहा था कि वे कोरोना वायरस के खतरे को लेकर सतर्क हैं और अगर जरुरत पड़ी तो फिल्म की रिलीज डेट को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। फिल्म की बात करें तो रोहित शेट्टी निर्देशित सूर्यवंशी एक एक्शन ड्रामा है। इसमें अक्षय कुमार एक कॉप हैं। कटरीना उनकी पत्नी के रोल में हैं। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। फिल्म में इस बार सिंघम और सिंबा भी नजर आने वाले हैं।

भोपाल में गरजे ज्योतिरादित्य

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कुछ लोगों का मकसद राजनीति होती है, माध्यम जनसेवा होती है। लेकिन यह मैं दावे से कह सकता हूं कि अटल बिहारी वाजपेयी हों, नरेंद्र मोदी हों, राजमाता रही हों, या सिंधिया परिवार का वर्तमान मुखिया होने के नाते मैं, हमारा मकसद हमेशा जनसेवा रही है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पक्ष और विपक्ष में कभी मतभेद नहीं होना चाहिए। शिवराज सिंह हमेशा जनता के समर्पित और जनता के प्रति सब कुछ न्योछावर करने वाला कार्यकर्ता शायद बिरला ही रहा हो। कई लोग कहेंगे कि सिंधिया जी आज ही क्यों कह रहे हैं, मैंने खुले में भी यह बात कही है। मैं संकोच करने वाला शख्स नहीं हूं। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया अब एक हैं। इसलिए अब दो नहीं होना चाहिए। मेरा लक्ष्य अब प्रदेश की जनता का साथ पाना है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, जो सही है, वह सिंधिया परिवार का मुखिया सदैव बोलता है। यह मैं बोल दूं कि सिंधिया की मुखिया को ललकारा था 1967 में, मेरी दादी को, संविद सरकार में क्या हुआ? 1990 में मेरे पूज्य पिता के ऊपर झूठा हवाला कांड किया, उस समय क्या हुआ? और आज जब मैंने अतिथि विद्वानों और किसानों की बात उठाई और मंदसौर में किसानों के ऊपर केस लगी, जो आवाज मैंने उठाई, और मैंने कहा कि जो वचनपत्र में है, उसे पूरा नहीं किया गया तो उसके लिए सड़क पर उतरना होगा। सिंधिया परिवार सत्य के पथ पर चलता है, मूल्य पर चलता है, सिंधिया परिवार को जब ललकारा जाता है तो सिंधिया परिवार जग से भी लड़ सकता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, 'आज मेरा सौभाग्य है कि जिस दल को अपने पसीने और पूंजी के साथ मेरी दादी ने स्थापित किया। जिस दल में 26 साल की उम्र में पहली बार जनसेवा का पथ अपनाकर मेरे पूज्य पिता जी चले आज उसी दल में ज्योतिरादित्य सिंधिया प्यार लेकर उसी दल में आया है। विश्वास रखना मैं केवल एक चीज अपने साथ लेकर आया हूं वो चीज है मेरी मेहनत। मेरा लक्ष्य आपके दिल में स्थान पाना है।

निर्भया केस: दोषी पवन ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ मारपीट की याचिका लगाई

कोर्ट ने जेल को नोटिस देते हुए कहा- इसका फांसी पर कोई असर नहीं पड़ेगा

संवाददाता

निर्भया केस के एक दोषी पवन गुप्ता ने फांसी की तारीख से 10 दिन पहले सजा में देरी करने के लिए एक और पैंतरा आजमाया। पवन ने गुरुवार को अदालत में याचिका दायर कर मंडोली जेल के दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उसने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उससे मारपीट की, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। याचिका पर सुनवाई करते हुए मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियांक नायक ने मंडोली जेल प्रशासन को नोटिस देकर 8 अप्रैल तक जवाब मांगा है। हालांकि कोर्ट ने साफ किया कि दोषी की याचिका का उसकी फांसी की सजा पर कोई असर नहीं होगा। निर्भया के दोषी फांसी की सजा टलवाने के लिए लगातार पैंतरेबाजी कर रहे हैं। निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने इनकी फांसी बरकरार रखी। इसके बावजूद, फांसी टलवाने के लिए वे किसी न किसी कानूनी पैंतरे का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस साल जनवरी से लेकर अब तक दोषियों की फांसी 3 बार टल चुकी है।

20 मार्च को सुबह साढ़े 5 बजे होनी है फांसी: निर्भया के दोषी मुकेश सिंह ने 5 दिन पहले ही सजा से बचने के लिए नया पैंतरा चला था। उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा था कि वकील ने उसे धोखा दिया है, इसलिए उसके कानूनी विकल्प बहाल किए जाएं। मुकेश की क्यूरेटिव पिटीशन और दया याचिका पहले ही खारिज हो चुकी है। ट्रायल कोर्ट ने 6 मार्च को चौथा डेथ वॉरंट जारी कर निर्भया के दोषियों मुकेश सिंह (32), पवन गुप्ता (25), विनय शर्मा (26) और अक्षय सिंह (31) की फांसी 20 मार्च को सुबह साढ़े 5 बजे तय की है।

16 दिसंबर 2012: 6 दोषियों ने निर्भया से दरिंदगी की थी: दिल्ली में पैरामेडिकल छात्रा से 16 दिसंबर, 2012 की रात 6 लोगों ने चलती बस में दरिंदगी की थी। देश ने उसे निर्भया नाम दिया। गंभीर जख्मों के कारण 26 दिसंबर को सिंगापुर में इलाज के दौरान निर्भया की मौत हो गई थी। घटना के 9 महीने बाद यानी सितंबर 2013 में निचली अदालत ने 5 दोषियों राम सिंह, पवन, अक्षय, विनय और मुकेश को फांसी की सजा सुनाई थी। मार्च 2014 में हाईकोर्ट और मई 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा बरकरार रखी। ट्रायल के दौरान मुख्य दोषी राम सिंह ने तिहाड़ जेल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। एक अन्य दोषी नाबालिग होने की वजह से 3 साल में सुधार गृह से छूट चुका है।

दिल्ली हिंसा: हेड कॉन्स्टेबल रतनलाल की मौत के मामले में 7 गिरफ्तार

आईबी स्टाफर की हत्या के मामले में भी एक गिरफ्तारी

संवाददाता

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ लोगों को भड़काने के आरोपी कट्टरपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के अध्यक्ष परवेज और सचिव इलियास की गुरुवार को गिरफ्तारी हुई। दोनों को 7 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया है। इलियास पर शाहीन बाग के लोगों को फंड मुहैया कराने का आरोप है। इसके अलावा उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हिंसा के दौरान हेड कॉन्स्टेबल रतनलाल की मौत के मामले में 7 लोग पकड़े गए। वहीं, आईबी कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में 23 साल के आरोपी सलमान को गिरफ्तार कर लिया गया। दिल्ली पुलिस के पीआरओ एमएस रंधावा ने बताया- दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति सामान्य है। अधिकारी हालात पर नजर बनाए हुए हैं। अभी तक 712 एफआईआर दर्ज की गई हैं। 200 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। हमें कई वीडियो भी प्राप्त हुए। जांच के दौरान इनसे हमें काफी मदद मिलेगी। पीआरओ रंधावा ने बताया कि हम

सभी फुटेज का विश्लेषण कर रहे हैं। फेस रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी से फुटेज में शामिल लोगों को पहचाना जा रहा है। कई लोगों ने खुद आकर अपने स्टेटमेंट दर्ज करवाए हैं। एसआईटी और लोकल पुलिस जांच कर रही है। इससे पहले, पुलिस ने पीएफआई

दिल्ली पुलिस ने कहा- हिंसा को लेकर अब तक 712 एफआईआर दर्ज की गईं, 200 से ज्यादा आरोपी गिरफ्तार

के सदस्य को पूर्व दिल्ली में त्रिलोक पुरी से गिरफ्तार किया था, जिसकी पहचान मोहम्मद दानिश के रूप में हुई थी। इसके अलावा दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने रविवार को जामिया नगर इलाके से दंपत्ति को गिरफ्तार किया था। इन पर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) खुरासान मॉडल के जुड़े होने के आरोप हैं।

शाह ने की थी दिल्ली पुलिस की तारीफ: बुधवार को लोकसभा में दिल्ली हिंसा पर हुई चर्चा में गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली हिंसा में पुलिस की भूमिका को लेकर कहा था, मैं दिल्ली पुलिस की प्रशंसा भी करना चाहता हूं और शाबाशी भी देना चाहता हूं, क्योंकि उन्होंने इसे पूरी दिल्ली में फैलने नहीं दिया। दिल्ली के 4% क्षेत्र और 13% आबादी तक हिंसा को सीमित रखने का काम दिल्ली पुलिस ने किया है। दिल्ली पुलिस ने 36 घंटे के अंदर दंगे को समेटा है।

कोरोनावायरस का डर: विदेशी अरबपति स्पेशल जेट और बंकर बुक करवा रहे ताकि हालात बिगड़ने पर वहां रहने जा सकें

कोरोनावायरस महामारी 120 देशों में फैल चुकी है और इसका असर दुनियाभर के लोगों पर देखा जा रहा है। अमेरिका, यूके और यूरोपीय देशों के अरबपति तो इससे बचने के लिए प्राइवेट जेट, बंकर या अंडरग्राउंड शेल्टर होम बुक करवा रहे हैं, ताकि संकट बढ़ने पर खुद को अलग-थलग कर सकें। कुछ ने तो इसके लिए अपने स्पेशल जेट्स को तैयार रहने के लिए कहा है। खबर के मुताबिक, इन अरबपतियों ने जेट में इलाज के लिए पर्सनल डॉक्टर और नर्स रखने की भी तैयारी भी की है, ताकि परिवार के सदस्यों को संक्रमित होने पर वे इलाज कर सकें। इसके लिए वे दुनिया के बेहतरीन डॉक्टरों के संपर्क में हैं। लंदन स्थित प्राइवेट हार्ले स्ट्रीट क्लीनिक के चीफ एग्जीक्यूटिव और मेडिकल डायरेक्टर मार्क अली ने बताया कि अरबपतियों से हमारे पास प्राइवेट कोरोनावायरस टेस्ट की डिमांड आ रही है। ऐसा कर पाना हमारे लिए संभव नहीं है, क्योंकि डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ

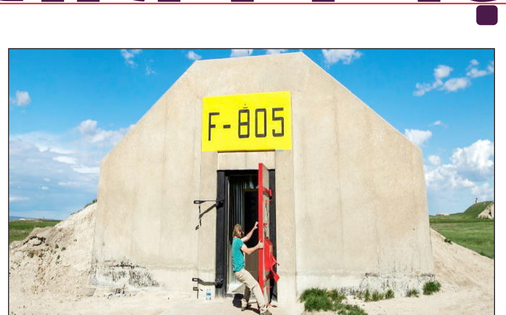

एंड सोशल केयर ने यह अनिवार्य किया है कि सभी टेस्ट एनएचएस और पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड द्वारा ही किए जाएंगे। हार्ले स्ट्रीट क्लीनिक स्थित एक अन्य क्लीनिक के कर्मचारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि ऐसे मरीजों के लिए दूसरे देशों से प्राइवेट कोरोनावायरस टेस्ट किया जा सकता है या फिर इनके नमूने को टेस्ट के लिए दूसरे देश भेजा सकता है। उधर, अली ने बताया कि उनके क्लाइंट कोविड-19 वैक्सीनेशन के लिए भी कह रहे हैं। हालांकि, वे यह जानते हैं कि वैक्सीन को बनने में अभी एक साल से ज्यादा का वक्त लग सकता है। अमेरिका की प्राइवेट जेट बुकिंग सर्विस प्राइवेटफ्लाई के चीफ एग्जीक्यूटिव एडम ट्विडेल ने बताया कि कोरोनावायरस से प्रभावित देशों से अरबपतियों की सबसे ज्यादा डिमांड आ रही है। वे आपात स्थिति में घर से सुरक्षित जगह जाने के लिए जेट बुक करना चाहते हैं। प्राइवेटफ्लाई सर्विस के लंदन और अमेरिका में मुख्यालय हैं। ट्विडेल ने बताया कि इटली में लॉकडाउन के बाद डिमांड ज्यादा बढ़ी है। यूके और अन्य यूरोपीय देशों से बाहर निकलने के लिए हमारे क्लाइंट्स फ्लाइट्स की एडवांस बुकिंग चाहते हैं। वे इसकी कोई भी कीमत देने के लिए तैयार हैं। एक हफ्ते से इटली पूरी तरह से लॉकडाउन है। यहां 6 करोड़ लोगों को घरों में रहने के आदेश दिए गए हैं।

प्राइवेट एयरपोर्ट लाउंज चाहते हैं कुछ अरबपति

अरबपतियों के लिए प्राइवेट जेट की व्यवस्था करने वाली कंपनी क्विंटेंशियली ने बताया कि जो लोग प्राइवेट जेट का खर्च नहीं उठा सकते, वे प्राइवेट एयरपोर्ट लाउंज में ठहरने के लिए करार करना चाहते हैं। क्विंटेंशियली ने बताया कि उनके एक सदस्य ने अपने घर को मिलिट्री स्टाइल बंकर में तब्दील कर दिया है। वहां कोई भी व्यक्ति तब तक नहीं जा सकता, जब तक कि वह पूरी तरह से जानकारी नहीं दे देता।

बंकर और अंडरग्राउंड शेल्टर के लिए भी पूछताछ बढ़ी

कैलिफोर्निया स्थित अंडरग्राउंड कंन्स्ट्रक्शन करने वाली कंपनी विवोस ग्रुप ने बताया कि उन्हें पिछले एक हफ्ते से बंकर और अंडरग्राउंड शेल्टर को खरीदने को लेकर लोग फोन और ईमेल कर रहे हैं। विवोस ने अमेरिका के साउथ डेकोटा में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 575 कांक्रीट के बंकर बनाए थे। एक बंकर में 80 लोग रह सकते हैं।

सीएए विरोधी हिंसा: सुप्रीम कोर्ट ने योगी सरकार से पूछा- किस कानून के तहत आरोपियों के होर्डिंग्स लगाए, ऐसा कोई प्रावधान नहीं, जो इसकी इजाजत देता हो

संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन में हिंसा के आरोपियों के पोस्टर के हटाने के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। उत्तर प्रदेश सरकार ने 9 मार्च को दिए हाईकोर्ट के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। गुरुवार को जस्टिस यूयू ललित और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की वेकेशन बेंच में इस मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने योगी सरकार से पूछा कि किस कानून के तहत आरोपियों के होर्डिंग्स लगाए गए। अब तक ऐसा कोई प्रावधान नहीं, जो इसकी इजाजत देता हो। इस मामले में अगले हफ्ते नई बेंच सुनवाई करेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदर्शनकारियों के पोस्टर लगाने की कार्रवाई को निजता में गैर जरूरी हस्तक्षेप करार दिया

था। वेकेशन बेंच के सामने राज्य सरकार की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश कीं। कोर्ट ने कहा- यह मामला काफी अहमियत रखता है, क्या यूपी सरकार को ऐसे पोस्टर लगाने का अधिकार है। अब तक ऐसा कोई कानून नहीं है, जो सरकार की इस कार्रवाई का समर्थन करता हो। इस पर मेहता ने कहा- निजता के अधिकार के कई आयाम हैं। पोस्टर हटाने के हाईकोर्ट के फैसले में खामियां हैं। ये लोग प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल थे। सरकार के पास ऐसी कार्रवाई करने की शक्ति है। इस पर जस्टिस बोस ने पूछा- हिंसा के आरोपियों के होर्डिंग्स लगाने की शक्ति कहां मिली हुई है? हम सरकार की चिंता समझ सकते हैं। बेशक दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और उन्हें दंडित किया जाए। लेकिन कानून में ऐसी कार्रवाई करने का कोई प्रावधान नहीं है। मेहता ने कहा- जब प्रदर्शनकारी खुले में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान कर रहे हैं। मीडिया ने उनके वीडियो बनाए, सबने इन्हें देखा है। ऐसे में यह दावा नहीं कर सकते कि पोस्टर लगाने से उनकी निजता के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। एक आदमी जो प्रदर्शन के दौरान हथियार लेकर पहुंचा हो और हिंसा में शामिल रहा हो। दंगाइयों के पोस्टर सबक सिखाने के लिए लगाए गए, ताकि आगे से लोग ऐसी गतिविधियों में शामिल होने से डरें। हिंसा के आरोपियों पर हर्जाना बकाया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इनसाइड स्टोरी: मध्यप्रदेश से दूरी बनाने के लिए यूपी भेजे गए थे ज्योतिरादित्य सिंधिया

भोपाल। ज्योतिरादित्य सिंधिया अब बीजेपी के हो चुके हैं! इस घटना से ठीक पहले तक राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और सचिन पायलट के साथ ज्योतिरादित्य सिंधिया को (युवा 'चौकड़ी') पार्टी का भविष्य माना जाता था। जोड़ी अब टूट चुकी है, फिलहाल अब तकिड़ी बची है...आपको बता दें सबसे अंत में महासचवि बनकर आधिकारिक रूप इस गुट में प्रियंका आईं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि प्रियंका के आने के बाद यह चौकड़ी अब तिकड़ी बन चुकी है। इसके लिए थोड़ा पीछे चलना पड़ेगा...

साल 2018 में कांग्रेस ने बीते 5 साल से देश में बन रहे बीजेपी के वर्चस्व को तोड़ते हुए मध्य प्रदेश और राजस्थान में सरकार बना ली। मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया और राजस्थान में सचनि पायलट की जीत में अहम भूमिका रही। बावजूद इसके कांग्रेस जिसे अब युवाओं की पार्टी माना जाने लगा था दोनों जगह वरिष्ठ नेताओं को कमान दी गई। राजस्थान में तो सचिन पायलट

को कसिी तरह उप मुख्यमंत्री के लिए मनाया गया। वहीं मध्यप्रदेश में कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही ज्योतिरादित्य सिंधिया पार्टी में हासए‍ि पर जाने लगे।

साल 2019 में देश में लोकसभा चुनाव होने वाले थे, कांग्रेस ने रणनीत‍ि अपनाते हुए यूपी में बीजेपी को कमजोर करने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा को महासचवि बनाकर भेजा। प्रियंका के साथ ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी यूपी भेजा गया। प्रियंका को पूर्वी यूपी और ज्योतिरादित्य सिंधिया वेस्ट यूपी की जम्मिदारी दी गई। लोकसभा की 42 सीटों पर प्रियंका और 38 सीटों की जम्मिदारी सिंधिया को दयिा गया।

सूत्रों की मानें तो ज्योतिरादित्य सिंधिया इस फैसले से खुश नहीं थे। वह खुद गुना से लोकसभा चुनाव लड़ रहे थे, जहां से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस की हालत तो यूपी में वैसे भी खराब थी उस पर वेस्ट यूपी में तो कांग्रेस के लिए कोई स्कोप नहीं था। जानकारों का कहना है कि मध्यप्रदेश की राजनीति से अलग करने के लिए ही उनको वेस्ट यूपी का प्रभार दिया गया था, जहां पार्टी को एक भी सीट की उम्मीद नहीं थी। दरअसल, सिंधिया को जब यह जिम्मेदारी दी गई, तब पार्टी का यूपी के इस हिस्से में कोई जनाधार नहीं बचा था। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस यहां की अधिकतर सीटों पर तीसरे और चौथे नंबर पर थी। अगर बात 2017 के विधानसभा चुनाव परिणाम की करें तो पूरे प्रदेश में एसपी के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को महज 7 सीटें ही मिली थीं।

प्रियंका गांधी और ज्योतिरादित्य सिंधिया को कमान सौंपने के बाद अब पार्टी ने दोनों की टीम में कुल छह सेक्रटरी नियुक्त किए हैं। राजनीति में औपचारिक एंट्री के बाद लखनऊ के पहले दौरे पर आईं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने चार दिन और पांच रातों के दौरान पार्टी के 4 हजार से अधिक कार्यकताओं से मुलाकात की थी। लगातार बैठकों के दौर के बावजूद प्रियंका गांधी सक्रिय बनी रहीं और अगले दौरे की रणनीति बनाकर वापस लौट गईं। इस बीच ज्योतिरादित्य सिंधिया यूपी से गायब रहे। सूत्रों का कहना है क‍ि ज्योतिरादित्य सिंधिया पूरे यूपी में प्रियंका गांधी की सक्रियता से भी नाराज चल रहे थे। प्रियंका जसि तरह लखनऊ में अपने आप को प्रस्तुत कर रहीं थीं वह भी पार्टी और सिंधिया के बीच दरार की वजह रही।

यूपी सरकार कानूनी कार्रवाई करे, मनमानी का अधिकार नहीं: हाई कोर्ट

प्रयागराज/लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में सीएए विरोधी हिंसा के आरोपितों के पोस्टर लगाए लगाए जाने के मामले में हाई कोर्ट ने कहा है कि सरकारी कानूनी कार्रवाई कर सकती है, लेकिन उसे मनमानी करने का हक नहीं है। सोमवार को हुई सुनवाई में यूपी के महाधिवक्ता की दलीलों पर हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि कोर्ट पीड़ित के आने का इंतजार नहीं कर सकती।

यूपी के महाधिवक्ता राघवेंद्र सिंह ने सोमवार को हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा था कि आरोपितों को पूरी जांच व प्रक्रिया

अपनाने के बाद अदालत से नोटिस भेजा गया, मगर कोई भी सामने नहीं आ रहा है। इसके बाद ही सार्वजनिक स्थानों पर आरोपितों के फोटो चस्पा किए गए। उन्होंने कोर्ट से लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के ऐसे मामलों में दखल से बचने की अपील करते हुए कहा था कि पीड़ित खुद कोर्ट आ सकते हैं।

महाधिवक्ता की आपत्तियों का जवाब देते हुए कोर्ट ने कहा कि मेरठ में भी ऐसा किया गया है। अमूमन अदालत में आने पर ही हस्तक्षेप का अधिकार होता है, पर जहां लापरवाही से मूल अधिकारों का उल्लंघन किया गया हो वहां कोर्ट किसी के आने का इंतजार नहीं कर सकता। सरकार कानूनी कार्रवाई कर सकती है, लेकिन उसे मनमानी करने का हक नहीं है। कोर्ट में सरकार यह भी नहीं बता सकी कि उसने किस कानून के तहत कार्रवाई की है।

बिहार राज्यसभा चुनाव: प्रत्याशी चयन में धर्म और जाति रहे हावी, जेडीयू और आरजेडी से पिछड़ी बीजेपी

पटना। बिहार की 5 राज्यसभा सीटों के लिए 26 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर ठऊआ और महागठबंधन ने अपने अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए है। इस चुनाव में 13 मार्च को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है। इसके पहले भारतीय जनता पार्टी, जेडीयू और आरजेडी ने अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा एक ही दिन कर दी है।

जनता दल युनाइटेड ने बुधवार को कोर कमिटी बुलाकर पूर्व के दोनों सांसद डॉ हरिवंश और कपूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर के नाम पर मुहर लगा दी। प्रत्याशी बनाए गए रामनाथ ठाकुर, कपूरी ठाकुर के बेटे है। इस लिहाज से जेडीयू ने एक राजपूत और एक अति पिछड़े उम्मीदवार को राज्यसभा भेजकर चुनावी वर्ष में बड़ा संदेश दिया है। वहीं, बीजेपी ने इस चुनाव में 1 सीट पर विवेक ठाकुर को प्रत्याशी बनाया है। विवेक राज्यसभा सांसद सीपी ठाकुर के बेटे हैं। 9 अप्रैल को बीजेपी के दो सांसद डॉ. सीपी ठाकुर और आरके सिन्हा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। बीजेपी के सामने दिक्कत यह थी कि वो अब एक सीट किसे दे। कायस्थ जाति के आरके सिन्हा ने भी पूरा जोर लगा दिया था कि पार्टी अगर उन्हें दोबारा नही भेजना चाहती तो ना भेजे, लेकिन उनकी जगह उनके बेटे ऋतुराज सिन्हा को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए।

दूसरी तरफ 89 वर्षीय डॉ. सीपी ठाकुर भी भली भांति जानते थे कि इस बार उन्हें टिकट मिलना मुश्किल है। लिहाजा उन्होंने अपने छोटे पुत्र विवेक ठाकुर के लिए लॉबिंग काफी समय पहले से ही शुरू कर दी थी।

भारी पड़ा होली पर हुड़दंग, सड़क हादसों में 611 घायल

लखनऊ। होली पर नशे में धुत होकर गाड़ी दौड़ाने और हुड़दंग करने वालों का खमियाजा आम लोगों को भी भुगतना पड़ा। अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सड़क हादसों की संख्या पिछली बार के मुकाबले कहीं ज्यादा रही। पिछली बार अस्पतालों की इमरजेंसी में 394 एक्सिडेंट के केस पहुंचे थे, जो इस बार बढ़कर 611 पहुंच गए। इनमें निजी अस्पतालों पहुंचने वाले घायल शामिल नहीं हैं। जानकारों के अनुसार सरकारी और निजी मिला लें तो हादसों की संख्या एक हजार से अधिक रही।

आमतौर पर मरीजों की संख्या ट्रॉमा सेंटर में ज्यादा रहती थी, लेकिन इस बार मरीजों ने ट्रॉमा से ज्यादा लोहिया संस्थान पर भरोसा दिखाया। होली की सुबह आठ से बुधवार सुबह आठ बजे तक ट्रॉमा सेंटर में कुल 377 मरीज आए। इनमें से 141 मामले रोड के थे, जिन्हें ट्रॉमा सर्जरी में रेफर किया गया। वहीं, लोहिया में होली के दिन इस बार 573 मरीज पहुंचे, जिनमें 275 सड़क हादसों के थे। रोड एक्सिडेंट के मामले में काफी हद तक शराब भी जिम्मेदार रही। सिविल अस्पताल के अधीक्षक आशुतोष दुबे ने बताया सड़क हादसे में घायल होने वालों में 36 नशे में गाड़ी चला रहे थे। बलरामपुर में ऐसे मरीजों

की संख्या 29 रही। लोकबंधु में पांच और ट्रॉमा सेंटर में तीस से अधिक मरीज पहुंचे। लोहिया में 50 से अधिक घायल ऐसे पहुंचे जो नशे में थे।

केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. संदीप तिवारी ने बताया कि कुल 63 मरीजों को भर्ती किया गया है। इनमें दस से अधिक की हालत बहुत ज्यादा गंभीर है। बाकी मरीजों में ज्यादातर को बुधवार को डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं, लोहिया संस्थान के एमएस डॉ. देवाशीष ने कहा, 'कुछ मरीज अस्पताल लाए जाने से पहले ही दम तोड़ चुके थे। बाकी मरीजों को कोई खास गंभीर नहीं था।

दिल्ली हिंसा: पुलिस को मिला शाहीन बाग-पीएफआई में लिंक, दो अहम लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। पिछले दिनों दिल्ली में हुई हिंसा में अब तक 52 लोगों की मौत हो गई है। बता दें कि इस हिंसा में करीब 200 लोग घायल भी हुए थे। देखते ही देखते कैसे हिंसा शुरू हुई और फिर कैसे दंगे होने लगे, इसकी जांच चल रही है। इसी बीच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के प्रेसिडेंट परवेज अहमद और सेक्रेटरी मोहम्मद इलियास को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि दिल्ली दंगों में उन्होंने फंडिंग की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी परवेज अहमद से पूछताछ कर रहा है। ये दोनों ही गिरफ्तारियां पीएफआई के सदस्य दानिश की गिरफ्तारी और दिल्ली दंगों में जांच के दौरान मिले बयानों के बाद की गई है।

रहस्यों से भरा है मध्य प्रदेश का 'असीरगढ़ किला', जहां घूमने के साथ ले सकते हैं ट्रैकिंग का भी मजा

मध्य प्रदेश देश की विविधतापूर्ण संस्कृति और धरोहरों को संजोए हुए है। जिसमें से एक है बुरहानपुर जिला, जहां आपको घूमने-फिरने की कई जगहें मिलेंगी। तो आइए चलते हैं ऐसी ही एक जगह असीरगढ़ किले की ओर।

इंदौर-इच्छापुर राजमार्ग के किनारे सतपुड़ा की ऊंची पहाड़ी पर ऐतिहासिक व अभेद्य असीरगढ़ का किला स्थित है। इसका पहला भाग मलयगढ़, दूसरा भाग कमरगढ़ और सबसे ऊपर असीरगढ़ कहलाता है। रहस्यों से भरा यह किला हर किसी को आकर्षित करता है।

इन राजाओं ने किया शासन

कहा जाता है कि 1375 ईस्वी से पहले इस किले पर आशा अहीर नामक व्यक्ति पशुपालन किया करता था। इससे उसके पास इतना धन इकट्ठा हो गया कि आसपास के राजा-महाराजा उससे कर्ज लिया करते थे। जब इस बात की खबर खानदेश के सुल्तान नसीर खान फारुकी को लगी तो उसने छल से किले पर अपना अधिकार जमा लिया।

इस तरह किला फारुकी राजाओं के अधीन आ गया। 200 साल तक फारुकी वंश ने यहां से शासन किया। वर्ष 1601 में मुगल सम्राट अकबर ने किले को अपने कब्जे में ले लिया और उसके बाद यहां से शुरू हुआ मुगलों का दक्षिण भारत का विजय अभियान। 1731 तक यह किला मुगलों के पास रहा। उसके बाद इस पर निजाम हैदराबाद का अधिकार हो गया। 1800 ईस्वी तक आते-आते इस किले पर मराठों का वर्चस्व हो गया और 1830 के आसपास इस पर सिंधिया परिवार ने अधिकार कर लिया। 1857 तक आते-आते यह अंग्रेजों के हाथ में चला गया।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि अंग्रेजों ने यहां से पूरे मालवा प्रांत, दक्षिण भारत और महाराष्ट्र जैसे राज्यों पर नियंत्रण किया। 1906 में अंग्रेजों ने इसे खाली कर दिया। तब से इस पर किसी का अधिकार नहीं रहा और वहीं से इस किले की बबार्दी की दास्तान शुरू हो गई।

आज भी यह भारत के प्रमुख किलों में गिना जाता है। देशभर के अलावा विदेश से भी पर्यटक इसे निहारने और इसके इतिहास व रहस्यों से रूबरू होने आते हैं। एडवेंचर के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं। पहाड़ी पर होने के कारण ट्रैकिंग के शौकीनों को भी यह आकर्षित करता है।

कैसे और कब जाएं

यहां आने के लिए 190 किमी दूर इंदौर नजदीकी हवाई अड्डा है। वहां से सड़क मार्ग से बस या निजी साधन से आ सकते हैं। यहां आने के लिए जाड़े व बरसात का समय सही रहता है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
नए अनुबंध की दिशा में सफलता मिलेगी। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

सिंह
पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा।

धनु
मन अज्ञात भय से ग्रसित रहेगा। छोटी-छोटी बातों में उत्तेजित होंगे। वाणी पर संयम रखें। संतान का सहयोग रहेगा।

वृष
आर्थिक योजना सार्थक होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या बहन के कारण तनाव मिल सकता है। जबकि उच्च अधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कन्या
व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शाही खर्च से बचना चाहिए। धन हानि की आशंका है। स्वास्थ्य और प्रतिष्ठा में जोखिम न उठाएं।

मकर
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

मिथुन
व्यावसायिक योजना सार्थक होगी। मैत्री संबंध मधुर होंगे। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला
किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

कुंभ
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी लेकिन शिक्षा या संतान तनाव का कारण रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक
उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। शाही खर्च से बचें। कोई ऐसी बात हो सकती है जो आपके हित में न हो। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

मीन
शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

इंसानों ही नहीं जानवरों में भी होती हैं ममता, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर देखें हथिनी का प्यार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें हाथी का एक बच्चा जन्म के बाद अपने पैर पर खड़े होकर चलने की कोशिश कर रहा है। इस कोशिश में वह कई बार अपने घुटनों के बल गिर जाता है, लेकिन वह खड़े होकर चलने की कोशिश को नहीं छोड़ता है। यह वीडियो अपने आप में अनुपम है, जिसे देखकर मां और ममता की छवि प्रकट हो जाती है।

यह वीडियो 5 मार्च की है, जिसे अब तक 1 लाख 19 हजार से अधिक लोगों ने देखा है। वहीं, 3 हजार से अधिक लोगों ने ट्वीट को रीट्वीट किया है, जबकि 14 हजार से अधिक लोगों ने ट्वीट को पसंद किया है। कुछ लोगों ने वीडियो पर प्यार भरा कमेंट भी किया है, जिसमें एक यूजर ने लिखा है। मां ममता का सागर होती हैं और मां का प्यार देख दिल भर आया है। दूसरे यूजर ने लिखा है सो क्यूट।

अब एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे भारतीय वन सेवा के अधिकारी प्रवीण कासवान ने सोशल प्लेटफॉर्म ट्विटर पर शेयर की है। इस वीडियो में ऐसा देखा जा रहा है कि हथिनी अपने बच्चे को खड़े होकर पैर पर चलने में मदद कर रही है। इसके लिए हथिनी बच्चे को पैर से पुश कर अपनी सूंढ़ की मदद से बच्चे को खड़े होने के लिए साहस दे रही है।

इस वीडियो के कैप्शन में प्रवीण कासवान ने लिखा है। जब मां ने बच्चे को पैर पर खड़ा होने में जो सहायता की है वो ममता को दर्शाती है। यह पल सबसे अनूठा है। इस वीडियो को अब तक 6 हजार से अधिक लोगों ने देखा है।

वहीं, सैकड़ों लोगों ने प्रवीण कासवान के ट्वीट को रीट्वीट किया है, जबकि कई लोगों ने कमेंट कर वीडियो की भी प्रशंसा की है। आपको बता दें कि भारतीय वन सेवा के अधिकारी प्रवीण कासवान सोशल मीडिया पर अक्सर वाइल्ड लाइफ से संबंधित दिल छूने वाली वीडियो शेयर करते रहते हैं।

नाइटमेयर डिसऑर्डर: डराके गया सपना...!

कभी-कभार आने वाले डरावने सपने सामान्य बात हैं, मगर यदि यह नियमित सिलसिला बन जाए, तो इसे विकार माना जाता है, जिसका उपचार जरूरी है।

सपने सब देखते हैं, भले ही कुछ लोगों को जागने पर ये याद न रहते हों। नींद की अवस्था में हमारा मस्तिष्क जो वैकल्पिक यथार्थ या काल्पनिक फिल्म रचकर प्रदर्शित कर देता है, उसी को हम सपना कहते हैं। मसाला फिल्मों की ही तरह हमारे सपनों में एक्शन, इमोशन, रोमांस, कॉमेडी आदि सारे तत्व मौजूद रहते हैं- कुछ कम, तो कुछ ज्यादा। कभी-कभी ये सपने हॉरर फिल्म के रूप में भी सामने आते हैं। इन्हें हम डरावना सपना, बुरा सपना, नाइटमेयर या दुःस्वप्न कहते हैं। बच्चों को डरावने सपने आना आम बात है, जिसके कारण वे रोते हुए जाग जाते हैं। मगर ऐसा नहीं है कि वयस्कों को डरावने या बुरे सपने नहीं आते। यदा-कदा ऐसे सपने हर किसी को आते हैं। डर के मारे आपकी नींद टूट जाती है, आप हड़बड़ाकर उठ बैठते हैं, धड़कन व सांस तेज चलती हुई महसूस होती है। फिर, आपको एहसास होता है कि यह तो महज एक सपना था...। तब धीरे-धीरे आप सामान्य होने लगते हैं। मगर जब यह एक नियमित सिलसिला बन जाए, बार-बार डरावने सपने के कारण आपकी नींद टूट जाए, इन सपनों के खौफ के कारण आप सोने से ही कतराने लगें, तो इसे मानसिक विकार माना जाता है, जिसे उपचार की जरूरत होती है। इसे नाइटमेयर डिसऑर्डर या पैरासोम्निया कहते हैं।

नाइटमेयर डिसऑर्डर के कारण

इस डिसऑर्डर के कई कारण हो सकते हैं। एक प्रमुख कारण तो जीवन में हुई कोई त्रासद घटना ही हो सकती है। किसी वजह से यदि आप लगातार तनाव या डिप्रेशन में हैं या फिर व्यग्र हैं, तो भी आपको नियमित रूप से बुरे सपने आ सकते हैं। शराब या ड्रग्स का सेवन भी दुःस्वप्नों का कारण बन सकता है, वहीं इनकी लत छुड़ाने की प्रक्रिया के दौरान भी ऐसे सपने आ सकते हैं। इसी प्रकार किन्हीं दवाइयों के सेवन से या फिर इनका सेवन अचानक बंद कर देने से भी नाइटमेयर डिसऑर्डर की स्थिति बन सकती है। स्लीप एप्निया (नींद के दौरान सांस लेने में परेशानी से जुड़ी समस्या) से ग्रस्त लोग भी नियमित रूप से डरावने सपनों के शिकार हो सकते हैं। कई बार लगातार पर्याप्त नींद से वंचित रहने वाला व्यक्ति जब सोता है, तो ऐसे सपनों का शिकार हो जाता है। इसके अलावा नियमित रूप से डरावनी फिल्में देखने या डरावनी कहानी-उपन्यास पढ़ने वाले लोगों को भी ऐसे सपने आ सकते हैं। सोने से ठीक पहले भारी भोजन करना भी इसका कारण बन सकता है।

पहचान और उपचार

यदि सप्ताह में एक से अधिक बार डरावने सपने आएं, यह सिलसिला लगातार बना रहे और इसके कारण आपकी नींद बार-बार बाधित हो तथा दोबारा नींद आना मुश्किल हो जाए, तो आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए। डॉक्टर पॉलीसोम्नोग्राफी नामक टेस्ट कराने को कह सकते हैं, जिसमें नींद के दौरान हृदय गति, मस्तिष्क तरंगों, ऑक्सीजन के स्तर, सांसों तथा आंखों व टांगों की हरकतों को रेकॉर्ड करने के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों में सेंसर लगाए जाते हैं। इस टेस्ट के परिणाम के आधार पर डॉक्टर उपचार तय कर सकते हैं। यदि डरावने सपनों का कारण तनाव या डिप्रेशन है, तो उसका उपचार किया जाता है। यदि किसी दवाई के साइड इफेक्ट के कारण ऐसा हो रहा है, तो डॉक्टर वैकल्पिक दवाई बता सकते हैं। नशीले पदार्थ यदि कारण है, तो उनका सेवन बंद करने से दुःस्वप्नों की समस्या भी दूर हो सकती है।

लो ब्लड प्रेशर

सतर्कता से करें नियंत्रित

मन और शरीर में चलने वाली उथल-पुथल का असर स्वास्थ्य पर पड़ना बहुत स्वाभाविक है। लो ब्लड प्रेशर के पीछे भी इसी तरह के कारण हो सकते हैं। ऐसे में लाइफस्टाइल और खानपान में सुधार तथा अन्य तरह से सतर्कता रखकर बहुत हद तक इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

लक्षणों को लेकर रहें सतर्क

लो ब्लड प्रेशर के ऐसे केसेस जहां लक्षण नहीं होते, सामान्य तौर पर कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। लेकिन इसके लक्षणों का उभरना सतर्क हो जाने का इशारा हो सकता है। लक्षणों में मुख्य रूप से शामिल हैं:

- चक्कर आना या सिर घूमना
- चक्कर खाकर गिर जाना
- एकाग्रता में कमी होना
- धुंधला दिखाई देना, नौशिया
- त्वचा का ठंडा पड़ जाना
- त्वचा का चिपचिपा या पीला पड़ जाना
- सांस का असामान्य होना
- थकान लगना आदि।

ऐसे उपजती है तकलीफ

ब्लड प्रेशर का लो होना या हाइपोटेंशन की तकलीफ का मतलब है रक्त के दबाव का 90/60 से भी कम होना। यूं सामान्य तौर पर थोड़ा-बहुत या बिना लक्षणों के ब्लड प्रेशर का लो हो जाना कोई समस्या पैदा नहीं करता लेकिन यदि इसके लक्षण स्पष्ट नजर आने लगें और बार-बार यह तकलीफ उभरने लगे, तो यह किसी अंदरूनी समस्या की ओर इशारा हो सकता है।

जैसे- मस्तिष्क, हृदय तथा अन्य प्रमुख अंगों तक रक्त के प्रवाह का अपर्याप्त होना। खासकर उम्र के बढ़ने पर इस तरह की समस्याओं के उपजने का खतरा और बढ़ सकता है। कई बार बहुत देर तक बैठे या लेटे रहकर उठने पर या लंबे समय तक खड़े रहने पर भी ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। इसे पोस्चरल हाइपोटेंशन कहा जाता है। कई सारी अन्य ऐसी स्थितियां हैं, जो लो ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं। इनमें गर्भावस्था, हार्मोनल समस्याएं जैसे थाइरॉइड या डायबिटीज आदि, कुछ विशेष औषधियां, अल्कोहल का अधिक सेवन, हृदय संबंधी अनियमितताएं, रक्त वाहिकाओं का चौड़ा होना या फैलना और लिवर डिसीज आदि शामिल हैं। वहीं दुर्घटना, बीमारी या किसी अन्य कारण से ब्लड प्रेशर का एकदम से बहुत लो हो जाना खतरे का संकेत भी हो सकता है।

डाइट में चुनें सही विकल्प

भोजन और जीवनशैली में परिवर्तन, इस समस्या के संदर्भ में बड़ी राहत दे सकता है। कुछ इस तरह उपाय अपनाएं:

- पानी भरपूर मात्रा में पीएं। इससे रक्त की मात्रा में वृद्धि होती है तथा डिहाइड्रेशन से लड़ने में मदद मिलती है
- लंबे समय तक खड़े रहने या बैठने के बाद उठने पर यदि आपको समस्या होती है, तो उठने की गति को नियंत्रित करें। सुबह सोकर उठते समय तेजी से उठने की जगह पहले लेटे-लेटे कुछ गहरी सांसें लीजिए, फिर धीरे से बैठिए और फिर खड़े होइए। सोते समय सिर को थोडा ऊंचा रखना भी काफी मदद करेगा
- अपने डॉक्टर के मार्गदर्शन से व्यायाम को नियमित रूप से अपनाइए
- भोजन को छोटे-छोटे कई टुकड़ों में बांटकर खाइए
- आलू, चावल, पास्ता, नूडल्स और ब्रेड जैसे हाई कार्बोहाइड्रेट फूड का सेवन कम से कम करें
- अल्कोहल का सेवन बंद करने की कोशिश करें
- चाय या कॉफी का सेवन लाभ दे सकता है लेकिन इसकी मात्रा को लेकर डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें
- व्हाइट चौला फली, सादा दही, कीवी फ्रूट, आड़ू, केला, लाल शिमला मिर्च, ब्रोकली, शकरकंद, क्विनोआ, एवोकाडो आदि इस समस्या के लिए सुपरफूड हो सकते हैं।

भोजन की गंध से जी मितलाए?

गर्भावस्था के शुरुआती महीनों में जी मिचलाना और मितली आना, खासकर सुबह-सुबह, एक सामान्य लक्षण है। इसे मॉर्निंग सिकनेस कहा जाता है। इससे समायोजन करने के लिए तरह-तरह के उपाय भी बताए जाते हैं, जैसे सुबह उठते ही बिस्किट जैसा कुछ थोड़ा-सा खा लेना। दिन भर में किसी भी वक्त भारी भोजन करने के बजाए, थोड़ी-थोड़ी देर में, थोड़ा-थोड़ा खाना वगैरह। इस असुविधा को स्त्रियां आराम से निभा ले जाती हैं।

लेकिन हममें से कइयों ने सुना होगा कि फलां बुआ तो गर्भावस्था में पानी तक नहीं पी पाती थीं, उसे भी पहले घूंट में ही उगल देती थीं या फलां दीदी को तो भोजन की सुगंध से ही मितली आती थी। दरअसल कुछ स्त्रियों की तकलीफ मॉर्निंग सिकनेस से काफी गंभीर होती है। मॉर्निंग सिकनेस की तरह सामान्य उपायों से कम भी नहीं होती। गर्भावस्था में मितली और जी मितलाने के इन गंभीर लक्षणों को हाइपरेमेसिस ग्रेविडेरम कहा जाता है। अक्सर परिवार के लोग समझ नहीं पाते कि यह मॉर्निंग सिकनेस से अलग है, अतः हाइपरेमेसिस की शिकार स्त्रियां घर वालों के तानों की भी शिकार होती हैं मसलन, 'इन्हें तो अनोखा ही होने वाला है, 'अरे हमें भी तो बच्चे हुए थे, हमारा भी जी घबराता था मगर हमने ऐसे नाटक कभी नहीं किए कि रसोई में घुसने से ही इनकार करें वगैरह।

दरअसल इस समस्या की शिकार गर्भवतियों को तानों की नहीं सहानुभूति, प्यार और देखभाल की जरूरत होती है ताकि वे अपनी तकलीफ हंसते-हंसते सह जाएं। इन्हें बराबर अपने चिकित्सक के भी संपर्क में रहना चाहिए ताकि सुरक्षित समझने पर डॉक्टर इन्हें कोई दवा भी दे सकें। गर्भवती, उसके पति और परिवार सभी के लिए जरूरी है कि वे गर्भावस्था के वैज्ञानिक पहलुओं को समझें और तदनुसार गर्भवती महिला की देखभाल करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आईपीएल पर कोरोना का असर, 15 अप्रैल तक नहीं आ सकेंगे विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली। दुनियाभर में कोरोना वायरस का कहर देखने को मिल रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है, इससे संक्रमित मरीज लगातार सामने आ रहे हैं। इस बीच कोरोना का खतरा इंडियन प्रीमियर लीग पर भी मंडराता दिख रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सूत्रों के मुताबिक, कोरोना को लेकर वीजा पाबंदी के चलते 15 अप्रैल तक विदेशी खिलाड़ी भारत नहीं आ पाएंगे। ऐसे में उनका आईपीएल मैच खेलना नामुमकिन नजर आ रहा है।

आईपीएल का आगाज 29 मार्च से होने वाला है। 20 अप्रैल तक 20 मैच हो चुके होंगे। बीसीसीआई सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'आईपीएल में खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी बिजनेस

वीजा की श्रेणी में आते हैं। सरकार के निदेशों के अनुसार वे 15 अप्रैल तक नहीं आ सकते।' देश में कोरोना वायरस के नए मामलों को देखते हुए सरकार ने सभी मौजूदा विदेशी वीजा 15 अप्रैल तक निलंबित कर दिए हैं। राजनयिक और कामकाजी वीजा जैसी कुछ श्रेणियों में हालांकि छूट दी गई है।

भारत में अब तक कोरोना वायरस के 60 मामले सामने आ चुके हैं। इस वायरस के कारण दुनिया भर में 4000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। आईपीएल के भविष्य पर फैसला 14 मार्च को मुंबई में इसकी संचालन परिषद की बैठक के दौरान किया जाएगा। सूत्र ने कहा, 'सभी फैसले मुंबई में संचालन परिषद की बैठक में किए जाएंगे।' एक विकल्प यह भी है कि 29 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल को खाली स्टेडियम में कराया जाए।

बिना दर्शकों के होगा इंडियन ओपन बैडमिंटन

नई दिल्ली। कोरोनावायरस के चलते देश में पहली बार कोई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट स्टेडियम में बंद दरवाजों के बीच यानी बिना दर्शकों के खेला जाएगा। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने वर्ल्ड बैडमिंटन फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) को कोरोनावायरस के चलते 24 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन ओपन सुपर सीरीज टूर्नामेंट को रद्द करने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन बीडब्लूएफ ने ओलंपिक क्वालिफाइंग इवेंट होने के कारण इसे बंद दरवाजों में कराने को कहा। अमर उजाला ने रविवार को ही यह खुलासा कर दिया था कि बीडब्लूएफ ने बीएआई को बंद दरवाजों में टूर्नामेंट कराने को कहा है। स्टेडियम में खिलाड़ियों और टेक्निकल ऑफिशियल के अलावा मीडिया के कुछ लोग होंगे। दिक्कत यह है कि अंतिम तीन दिन टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण होना है, लेकिन अब बीएआई पहले तीन दिन भी अपनी वेबसाइट पर टूर्नामेंट का प्रसारण दिखाने की व्यवस्था कर रही है।

कोरोना पर बड़ा फैसला, अब खाली स्टेडियम में होंगे सचिन वाली वर्ल्ड सीरीज के मैच

मुंबई। सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा जैसे महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली रोड सेफ्टी विश्व सीरीज के मैच महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए अब खाली स्टेडियम में होंगे. आयोजकों ने पुणे में गाहुंजे के एमसीए स्टेडियम में होने वाले मैचों को भी नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया है.

आयोजकों द्वारा बुधवार देर रात जारी बयान के अनुसार, ह्यदेश में मौजूदा स्वास्थ्य आपातकाल को देखते हुए रोड सेफ्टी विश्व सीरीज के सभी हितधारकों ने फैसला किया है कि रोड सेफ्टी विश्व सीरीज के बाकी बचे सभी मैच 13 मार्च से डीवाई पाटिल स्टेडियम में दर्शकों की गैरमौजूदगी में होंगे.'

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार इस दिन श्रीलंका लीजेंड्स की टीम दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स से भिड़ेगी. महाराष्ट्र में बुधवार को कोरोना वायरस के 10 मामले सामने आए.

बयान के अनुसार, कोविड-19 के संक्रमण और महाराष्ट्र में इसके बढ़ते मामलों के कारण आयोजन समिति ने सर्वसम्मति से फैसला किया है कि सीरीज का तीसरा चरण जो 14 से 20 मार्च तक पुणे में होना था वह डीवाई पाटिल स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया है और फाइनल सहित बाकी सभी मैच इसी स्थल पर खाली स्टेडियम में होंगे.

अफ्रीका लीजेंड्स ने डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेदमी मैदान पर बुधवार रात खेले गए अपने पहले मुकाबले में विंडीज लीजेंड्स को छह विकेट से हराकर रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में विजयी आगाज किया.

कप्तान जोंटी रोड्स (नाबाद 53) और हरफनमौला एल्बी मोर्केल (नाबाद 54) के बीच हुई शतकीय साझेदारी की मदद से साउथ अफ्रीकी लीजेंड्स टीम ने जीत हासिल की.

विंडीज लीजेंड्स द्वारा दिए गए 144 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका लीजेंड्स ने 18.3 ओवरों में चार विकेट पर हासिल कर लिया.

रोड्स ने 40 गेंदों पर छह चौके और एक छक्का लगाया, जबकि मोर्केल ने 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौके और दो छक्के लगाए. इन दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 60 गेंदों पर 104 रनों की साझेदारी हुई.

सिंधु की विजयी शुरूआत, श्रीकांत को पहले ही दौर में मिली हार

नई दिल्ली। कोरोनावायरस प्रकोप के बीच बुधवार से शुरू हुए ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने महिला एकल मुकाबले में अमेरिका की बेइवेन झांग को 21-14, 21-17 से हराकर दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच का मुकाबला 42 मिनट तक चला।

वहीं, पुरुष एकल मुकाबले में किदांबी श्रीकांत को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। 43 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्हें ओलंपिक चैम्पियन चेन लोंग ने 21-15, 21-16 से हराया। वहीं, मिक्स्ड डबल मुकाबले में एन. सिक्की रेड्डी और प्रणव चोपड़ा की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। चीन की झेंग सिवेई और हुआंग क्यूओंग की जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को 21-13, 11-21, 21-17 से हरा दिया।

सिंधु की नजरें ऑल इंग्लैंड खिताब पर लगी हैं। पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण जीतने वाली सिंधु ऑल इंग्लैंड नहीं जीत पाई हैं। पूर्व रजत पदक विजेता साइना नेहवाल और किदाम्बी श्रीकांत भी रैंकिंग में शीर्ष 16 में जगह बनाने की कोशिश करेंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन की समय सीमा 28

अप्रैल है। भारत के लिए आखिरी बार ऑल इंग्लैंड खिताब मौजूदा मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने 2001 में जीता था। सिंधु 2018 में सेमीफाइनल में अमेरिका की बेइवेन झांग से हार गई थीं। साइना 2015 में फाइनल में पहुंची थीं। उन्हें रैंकिंग अंक की सख्त जरूरत है। पहले ही दौर में उनके सामने जापान की अकाने यामागुची जैसी कठिन चुनौती है। श्रीकांत को ड्रॉ में आगे जाने के लिए ओलंपिक चैम्पियन चेन लोंग की चुनौती का सामना करना होगा। वहीं पारूपल्ली कश्यप पहले दौर में इंडोनेशिया के शेसार हिरेन आर से खेलेंगे। लक्ष्य सेन का सामना हांगकांग के ली चियुक यू से होगा।

सत्र के पहले सुपर 1000 टूर्नामेंट से पहले दुनिया भर में कोरोनावायरस संक्रमण का असर है। इंग्लैंड में ही 300 से अधिक लोग संक्रमित पाए गए हैं और पांच मौतें हो चुकी हैं। इसके चलते जर्मन ओपन टूर्नामेंट भी रद्द हो चुका है।

बता दें कि कोरोना वायरस प्रकोप के कारण ही भारत के एचएस प्रणय और दुनिया की दसवें नंबर की युगल टीम चिराग शेट्टी और सात्विक रांकिरेड्डी टूर्नामेंट से नाम वापिस ले चुके हैं।

आईपीएल 2020 स्थगित करने की याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कोरोना वायरस के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल2020) के स्थगन की मांग को लेकर दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। जस्टिस यू यू ललित और अनिरुद्ध बोस की एक अवकाश पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह 16 मार्च को नियमित पीठ के समक्ष तत्काल लिस्टिंग के लिए मामले का उल्लेख कर सकते हैं, जब होली की छुट्टियों के बाद कोर्ट फिर से खुलेगा।

पीठ ने याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता मोहन बाबू अग्रवाल से कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है जो कोर्ट के दोबारा खुलने तक इंतजार नहीं किया जा सकता। आप 16 मार्च को नियमित अदालत के समक्ष इसका उल्लेख कर सकते हैं।' अग्रवाल ने पीठ को बताया कि आइपीएल -2020 29 मार्च से शुरू होने वाला है, लेकिन कोरोना वायरस को लेकर सुरक्षा उपायों की घोषणा नहीं की गई है। मैच के दौरान 40,000 दर्शक मौजूद रहेंगे।

बता दें कि आइपीएल 29 मार्च से शुरू होगा कि नहीं इस पर संशय है। बीसीसीआई के एक शीर्ष सूत्र ने गुरुवार को समाचार एजेंसी पीटीआइ को बताया कि इस साल के आइपीएल के लिए कोई विदेशी खिलाड़ी 15 अप्रैल तक उपलब्ध नहीं होगा। आइपीएल में खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी बिजनेस वीजा श्रेणी में आते हैं। सरकार के निर्देश के अनुसार, वे 15 अप्रैल तक नहीं आ सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अहमद खान बोले- मौका मिला तो कंगना रनौत के साथ जरूर करुंगा काम

बॉलिवुड में कंगना रनौत अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। वहीं, अहमद खान ने ऐक्ट्रेस की तारीफ करते हुए कहा कि वह लेडी बागी हैं और कंगना रनौत लड़कियों की बागी है और ऐक्शन फिल्मों की बात करें तो वह इसके लिए बहुत सही ऐक्ट्रेस हैं। बॉलिवुड में हाल ही रिलीज हुई 'बागी 3' के डायरेक्टर अहमद खान का कंगना रनौत पर एक बार फिर बयान आया है। अहमद खान ने कहा कि कंगना रनौत बहुत बेहतरीन ऐक्ट्रेस हैं। उन्होंने आगे कहा कि मौका मिला तो कंगना रनौत के साथ जरूर काम करूंगा और हमारे बीच में कोई नेगेटिविटी नहीं है। हम लोग एक ही इंडस्ट्री के हैं और मिलजुल कर रहते हैं। अहमद खान ने कंगना रनौत की तारीफ करते हुए कहा कि वह 'लेडी बागी' हैं। कंगना रनौत लड़कियों की बागी है और ऐक्शन फिल्मों की बात करें तो वह इसके लिए बहुत सही ऐक्ट्रेस हैं। इसके साथ ही अहमद खान ने कहा कि जब उन्होंने उनकी फिल्म 'धाकड़' का टीजर देखा तो उनके रोंगटे खड़े हो गए और उन्हें यह बहुत अच्छा लगा। अहमद खान ने कहा कि अगर कंगना रनौत को उनकी स्क्रिप्ट पसंद आएगी तो उनके साथ जरूर काम करेंगे। ऐक्शन फिल्म मामलों में कंगना रनौत बहुत फिट हैं क्योंकि वह बहुत पॉवरफुल ऐक्ट्रेस हैं।

साउथ फिल्म की रीमेक है सलमान की 'कभी ईद कभी दिवाली'!

जब से सलमान खान ने अपनी अगली फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' की घोषणा की है, उनके फैन्स इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। वैसे तो फिल्म को लेकर अभी ज्यादा चीजें सामने नहीं आई हैं, वहीं कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक पॉप्युलर साउथ फिल्म की हिन्दी रीमेक है। खबर के मुताबिक, खबरों की मानें तो फरहाद सामजी ने सलमान खान को यह फिल्म ऑफर की और उन्हें इसका कॉन्सेप्ट काफी पसंद आया। फिल्म को हिन्दू-मुस्लिम वाला इमोशनल एंगल दिया गया है, जो चार भाइयों की कहानी है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अजित स्टारर 'वीरम' की रीमेक है। कहा जा रहा है कि मेकर्स ने इस तमिल फिल्म का राइट्स लेने के बाद इसपर फिल्म बनाने का फैसला लिया और जब सलमान ने कहानी सुनी तो वह इसे करने को फौरन तैयार हो गए। साजिद नाडियाडवाला डायरेक्टर फरहाद सामजी के साथ स्क्रिप्ट पूरी करने में जुटे में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले माना जा रहा था कि अक्षय कुमार स्टारर 'बच्चन पांडे' साउथ फिल्म 'वीरम' की रीमेक है और इसका टाइटल पहले 'लैंड ऑफ लुंगी' रखा गया था, लेकिन बाद में स्क्रिप्ट को चेंज कर दिया गया।

रणवीर सिंह ने दीपिका से कहा 'रहम करो'

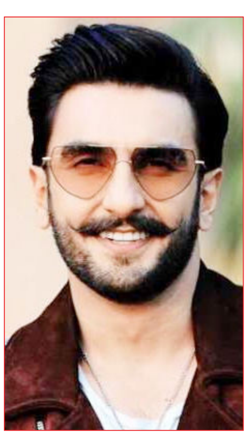

बॉलिवुड के लविंग कपल में से एक दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। यह कपल कभी अपनी फिल्मों तो कभी सोशल मीडिया पर अपने फोटोज और विडियोज के लिए चर्चा में रहता है। दोनों स्टार अपने फैंस के लिए रेगुलर सोशल मीडिया पर अपने से जुड़े अपडेट्स देते रहते हैं। इसके साथ ही रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण एक दूसरे को पोस्ट पर कॉमेंट करते रहते हैं। दीपिका पादुकोण ने हाल ही में एक मैगजीन के फोटोशूट कराया और इसके तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं। फोटोशूट के दौरान दीपिका पादुकोण जिस अवतार में नजर आ रही हैं, वह बेहद खूबसूरत है। उनकी इन तस्वीरों पर फैंस ने कॉमेंट्स की बौछार लगा दी। वहीं, रणवीर सिंह कहां पीछे रहने वाले थे। उन्होंने दीपिका पादुकोण की फोटो पर कॉमेंट करते हुए लिखा, 'बेबी रहम करो यार'।